an>

Title: Need to provide adequate compensation to farmers who lost their crops due to unseasonal rains and hailstorm.

श्री बाबूलाल चौधरी (फतेहपुर सीकरी) : सभापति जी, आपने मुझे एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का मौका दिया, मैं आपका आभारी हूं। मैं उत्तर प्रदेश के फतेहपुर सीकरी क्षेत्र से चुनकर आया हूं। पिछले दिनों अतिवृष्टि और ओलावृष्टि की वजह से किसानों का भारी नुकसान हुआ। लोगों को आत्मदाह करने के लिए मजबूर होना पड़ा। हमारे लोक सभा क्षेत्र में तकरीबन 20 लोगों ने आत्महत्या की है। मैं कहना चाहूंगा कि प्रदेश सरकार किसानों के साथ गलत व्यवहार कर रही है, फसलों का आकलन सही नहीं कर रही है, लेखपाल सौ, दो सौ रुपये के चैक बनवाकर दे रहे हैं। मेरा सदन के माध्यम से अनुरोध है कि पुराने काले कानून को बदलकर किसानों की लागत मूल्य का दुगना मुआवजा दिलाने का कष्ट करें। जिन लोगों ने आत्महत्या की है, उनके परिवारों को दस-दस लाख रुपये का मुआवजा दिलवाने का काम करें। सभी फसलों को बीमा योजना के तहत लाकर बीमा दिलाया जाए। मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि सीधा किसानों के खाते में मुआवजा डाला जाए। किसानों के सभी ऋण माफ किए जाएं तथा बिना ब्याज के किसानों को ऋण दिलाया जाए।

हमारे क्षेत्र के किसान सबसे ज्यादा आलू का उत्पादन करते हैं। आलू के नुकसान होने पर किसानों को एक भी पैसा मुआवजा का नहीं मिला है। आलू किसानों को मुआवजा दिलाया जाए, आलू का निर्यात किया जाए। प्रधानमंत्री जी किसानों के दुख को अपना दुख मानते हुए मुआवजे की राशि को डेढ़ गुना बढ़ाया है, नुकसान को 50 प्रतिशत से घटा कर 33 प्रतिशत किया है। मुआवजे पर नया कानून बनाया जाए, जिससे किसानों का भला हो सके।